(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री ए० ए० रहीम) : (क) जी, नहीं। शीघ्र ही एक अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन बुलाने की मांग अमरीका ने अस्वीकार नहीं की है। जैसा कि आपको स्मरण होगा मार्च, 1983 में नई दिल्ली में आयोजित सातवें गुट-निरपेक्ष शिखर सम्मेलन में यह कहा गया था कि मुद्रा और वित्त के विकास के संबंध में एक ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया जाना चाहिए जिसमें संसार के सभी देश भाग लें। बाद में 77 देशों के समूह ने भी अप्रैल, 1983 में बुआनोआयर में अपनी मंत्रीस्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव का स्वागत किया था। इसके बाद पेरिस में मई में डी०ई०सी०डी० की मंत्रीस्तरीय बैठक में मंत्रियों को सम्बोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति श्री एफ० मितरां ने भी अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के तत्वावधान में एक अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन बुलाने की बात कही थी।

मई, 1983 के अन्त में संयुक्त राज्य अमरीका में औद्योगिक देशों का जो विलियम्सबर्ग शिखर सम्मेलन हुआ था उसने अपनी विज्ञप्ति में वित्त मंत्रियों से कहा था कि वे अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबंध निदेशक से परामर्श करके यह बताएं कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा व्यवस्था को सुधारने के लिये क्या किया जा सकता है, और इस बात पर भी विचार करें कि इस प्रक्रिया में एक उच्चस्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन की क्या भूमिका हो सकती है ? इसलिये अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन के प्रस्ताव को अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा व्यवस्था में सुधार करने के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

(ख) गुट-निरपेक्ष शिखर सम्मेलन में विकास के लिये अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा एवं वित्त सम्मेलन के सम्बन्ध में जो प्रस्ताव पारित हुआ था, और जिसमें यह कहा गया था कि इसमें संसार के सभी देश भाग लें, उसकी कुछ अपनी महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं, खासतौर पर यह तथ्य कि इसमें संसार के सभी देशों के शामिल होने की बात कही गयी है। सरकार अन्य विकासशील देशों से तथा विकसित देशों से भी इस महत्वपूर्ण पहल को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से और एक ऐसी अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा एवं वित्त व्यवस्था की दिशा में काम करने के लिए निकट सम्पर्क बनाए हुए है जो विकासशील देशों को अपने विकास की गति तेज करने में सहायता दे सके।

Tourist traffic and earnings of Palace on Wheels

3166. SHRI K. LAKKAPPA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) details of tourist traffic and earnings made by "Palace on Wheels" ;

(b) whether earnings are commensurate with the investments made ; and

(c) Plans drawn up for making "Palace on Wheels" tourist programme more attractive ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURI) : (a) During the last season, October, 1982 to March, 1983, 1274 tourists travelled by Palace on Wheels and the total earning was to the tune of about Rs. 73 lakhs.

(b) Yes.

(c) The itinerary of the "Palace on Wheels" has been found to be very popular. Bookings by foreign tourists for the coming 1983-84 season are quite heavy. Steps have been taken to improve the facilities provided on the train in view of suggestions received from the patrons during last season.